शान्ति चित्र महोत्सव से शहर में बिखरे शान्ति के रंग
शान्ति चित्र महोत्सव ने फैलाई शान्ति की लहर

अहमदाबाद, दिनांक 26-02-10 को ब्रह्मा कुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा 'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार' शीर्षक के अन्तर्गत शान्ति चित्र स्पर्धा का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 600 मीटर लंबे कैनवास पर सैकड़ों शान्तिदूतों ने अपनी शान्तिपूर्ण श्रेष्ठ भावनाओं के रंग बिखेरे।

ब्रह्मा कुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा समग्र भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिससे युवा भाई-बहनों में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना तथा अन्य मूल्यों को प्रोत्साहन मिलता है। वर्ष 2009-10 में युवा प्रभाग अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है।

दिनांक 26-2-2010 को अहमदाबाद शहर ने अपनी स्थापना का 600वां वर्ष मनाया। ब्रह्मा कुमारीज़ के नवरंगपुरा सेवाकेन्द्र ने युवा प्रभाग की रजत जयंती को अहमदाबाद के जन्मदिन के साथ जोड़ कर सुप्रसिद्ध स्थान सी.जी.रोड़ स्थित म्यूनिसिपल मार्केट के ग्राउण्ड में 600 मीटर लम्बे कैनवास पर शान्ति चित्र स्पर्धा का आयोजन किया।

शहर के डी.सी.पी.(ट्रैफिक) भ्राता अनारवाला, किडनी इन्स्टीट्यूट एच.आर.डी. चीफ एवं सुप्रसिद्ध कवि व चित्रकार भ्राता माधव रामानुज, ज़ेड ब्ल्यू के चेयरमेन भ्राता जितेन्द्र चौहाण, यूथ विंग नेशनल कोर्डीनेटर बी.के.चंद्रिका बहन, माउंट आबू से पधारे युवा प्रभाग के कमेटी मेम्बर बी.के. सी.ए. ललित भाई तथा आयोजक नवरंगपुरा सेन्टर इन्चार्ज बी.के. ईशिता बहन के करकमलों द्वारा इस स्पर्धा रूपी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। शहर के अन्य अनेक वी.आई.पीज़. ने भी दीप प्रज्वलन कर अपनी शुभेच्छा प्रकट की।

प्रात: 8.00 बजे से 10.00 बजे तक स्पर्धा होनी थी परन्तु प्रतियोगी भाई-बहनें अल-सुबह 6 बजे से ही आने शुरू हो गये। सबका रजिस्ट्रेशन किया गया एवं पेन्टिंग नंबर दिया गया। साथ ही उन सभी को प्रसाद के पैकेट, शान्ति चित्र एवं स्लोगन की एक सुन्दर पुस्तक, आइसक्रीम का कूपन, संकल्प पत्र आदि भी दिये गये। 600 प्रतियोगियों को ही इस स्पर्धा में भाग लेना था परन्तु उमंग-उत्साह से भरे हुए 900 से ज्यादा प्रतियोगी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गये जिसके कारण तत्काल 600 मीटर कैनवास की जगह 850 मीटर कैनवास बांधना पड़ा और सभी आए हुए प्रतियोगियों को इस शांति चित्र स्पर्धा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतियोगियों की उम्र को ध्यान में रखते हुए उनके 3 ग्रुप्स बनाए गये थे-14 वर्ष से कम उम्र वाले, 15 से 25 वर्ष वाले और 26 वर्ष से अधिक उम्र वाले।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भ्राता अनारवाला ने विश्व शान्ति के लिए सफेद वस्त्रधारी ब्रह्मा कुमारों एवं ब्रह्मा कुमारियों के नि:स्वार्थ प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 600 वर्ष का अहमदाबाद शहर आज भी युवा है।

भ्राता माधव रामानुज जी ने ब्रह्मा कुमारीज़ के इस आयोजन को विश्व शान्ति के लिए अमूल्य योगदान मानते हुए कहा कि शान्ति का संदेश जिसकी आज विश्व में बहुत ही आवश्यकता है, इस महान संस्था द्वारा जन-जन तक फैलाया जा रहा है। संदेश का साधन भी श्रेष्ठ है। इस प्रकार के आयोजन से निश्चित रूप से शांति स्थापना में सहयोग मिलेगा।

ब्रह्मा कुमारी चन्द्रिका बहन ने बताया कि हम स्वयं अपने चित्र के चित्रकार हैं चाहे तो देवता का चित्र बनाएं या चाहे तो दानव का। इस शान्ति चित्र स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य है स्वयं के जीवन में, समाज में, देश में एवं विश्व में शान्ति स्थापन करना।

इस स्पर्धा की आयोजक ब्रह्मा कुमारी ईशिता बहन ने सर्व आमंत्रित मेहमानों एवं प्रतियोगियों का स्वागत करते हुए कहा कि शान्ति की भावना इन युवा भाई-बहनों में इतने गहरे तक समाई हुई है जो 600 के बदले 900 प्रतियोगी सुबह 8 बजे के बदले सुबह 6 बजे से ही कतारों मे लग गये। आज संसार को सर्वाधिक आवश्यकता है शान्ति की। केवल आध्यात्मिकता द्वारा ही समाज में शान्ति लाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं में शान्ति की भावनाएं प्रबल हों, उसके लिए हम भविष्य में और भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।

सुबह ठीक 8.15 बजे शंख बजाया गया और सभी प्रतियोगियों ने अपने निर्धारित स्थानों पर चित्र बनाना शुरू किया जो 10.15 बजे तक चलता रहा। कार्यक्रम के दौरान कर्णप्रिय गीत-संगीत एवं कॉमेन्ट्री द्वारा प्रतियोगियों का उमंग-उत्साह बढ़ाया गया। छोटे-छोटे बच्चे और युवा भाई-बहनें जिस एकाग्रता से चित्र बना रहे थे वह देखते ही बनता था। सभी आमंत्रित विशेष मेहमानों ने भी चित्र बनाएं। जो प्रतियोगी कलर्स नहीं लाए थे, उन्हें कलर्स भी दिये गये।

स्पर्धा का समापन सत्र और ही रोमांचक रहा। निर्णायक मंडल ने तीनों ग्रुप्स में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पेंटिंग्स का चयन किया। ब्रह्मा कुमारीज़ के गुजरात ज़ोन के इन्चार्ज आदरणीया सरला दीदी जी के करकमलों से विजेताओं को मोमेन्टो एवं चॉकलेट दिये गये। आदरणीया दीदी जी ने शान्ति स्थापन करने के इस श्रेष्ठ प्रयास में भाग लेने वाले सभी भाई-बहनों को बहुत-बहुत आशीर्वाद दिया। आदरणीया ब्रह्मा कुमारी इन्दु बहन जी ने सभी विजेताओं को सर्टीफिकेट प्रदान किए।

कार्यक्रम के विशेष आकर्षण थे – 1) संकल्प कलश - आमंत्रित मेहमानों एवं स्पर्धकों ने अपने शुभ संकल्प पत्र इस संकल्प कलश में जमा किए। 2) महात्मा गांधी - गांधी जी का हमशक्ल व्यक्ति (भ्राता नीतिनभाई शाह, NRI) गांधी जी की ड्रेस में स्टेज पर उपस्थित था जिससे उपस्थित जन-समुदाय के मानस-पटल पर महात्मा गांधी और उनके कर्त्तव्यों की स्मृति ताजा हो गई।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग था प्रतियोगियों द्वारा अनुभव सुनाना। बच्चों एवं युवाओं ने स्वयं आगे आकर बहुत ही हृदयस्पर्शी अनुभव सुनाए। एक ने कहा कि अब जबकि हमने शान्ति का चित्र बना दिया है, अब हम अशान्ति फैलाने वाला कोई काम नहीं कर सकते। दूसरे ने कहा कि सुबह 6 बजे से ही मैं देख रही हूं कि इतना बड़ा आयोजन होते हुए भी सभी सेवाधारियों के चेहरे पर पूरे समय स्माईल ही दिखाई दी और सभी ने हमें बहुत ही स्नेहपूर्वक और सम्मानपूर्वक सहयोग दिया। कार्यक्रम राष्ट्र गीत के साथ सम्पन्न हुआ।

स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी भाई-बहनों के लिए दिनांक 2, 3 और 4 मार्च को सेवाकेन्द्रों पर शान्ति अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया है।